

देवी का महात्म्य व उपासना !

भारत में विविध संप्रदाय कार्यरत हैं। इन संप्रदायों के अनुसार संबंधित देवताओं की पूजा उपासना पद्धति प्रचलित है। गणपत्य, शैव, वैष्णव, सौर्य, दत्त आदि संप्रदायों की तरह शक्ति संप्रदाय का अस्तित्व भी प्राचीन काल से भारत में है। शक्ति संप्रदाय द्वारा बताई गई पद्धति से शक्ति उपासना करने वाले अनेक शक्ति भारत में सर्वत्र मिलते हैं। आदि शंकराचार्य जी ने पंचायतन पूजा की प्रथा भारत में प्रारंभ की। उसमें देवी का स्थान महत्वपूर्ण है। भारत में जिन उपास्य देवताओं की उपासना की जाती है, उन प्रमुख पांच देवताओं में से एक शक्ति अर्थात् देवी है। तत्र शास्त्र की आराध्य देवता रु तत्र शास्त्र का पालन करने वाले तांत्रिक तत्र शास्त्र के जनक सदाशिव की उपासना करते हैं। इसी तरह त्रिपुर सुंदरी, मातंगी, उग्रतारा आदि तांत्रिक शक्तियों की भी उपासना करते हैं। इससे शिव के समान शक्ति भी तत्र शास्त्र की आराध्य देवता है यह स्पष्ट होता है।

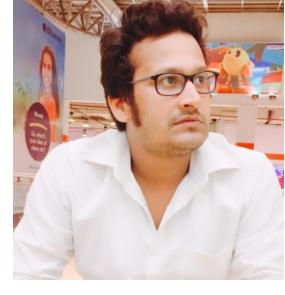
आदिष्ठित्य करने वाले तारकासुर को भी भयभीत करने वाली थीं। पार्वती के वध के लिए निकट आए तारकासुर के सैनिकों को उनकी शक्ति सहन न होने के कारण वे भस्मसात हो गए। नवदुर्गा में से ब्रह्मचारिणी यह रूप हाथ में जप माला लेकर तापसी वेश धारण किए हुए तपस्यारत पार्वती का ही प्रतीक है। पार्वती को अपर्णा एवं ब्रह्मचारिणी इन नामों से भी संबोधित किया जाता है। समस्याओं पर स्वयं उपाय खोज निकालने वाली स्वयंपूर्ण पार्वती देवी – कैलाश पर निवास करते समय स्नान के समय कक्ष की पहरेदारी की सेवा करने के लिए पार्वती जी ने अंतः प्रेरणा से स्वयं के मैल से गणपति का निर्माण किया। सुरक्षा के व्यक्तिगत कारण से गणपति का निर्माण किया, तो भी पार्वती जी के कारण संसार को आराध्य देव श्री गणेश प्राप्त हुए यह त्रिवार सत्य है। देवी कौशिक की निर्मिती भी इसी तरह के भाव से हुई है। समुद्र मंथन के समय उत्पन्न विष को मंदराचल पर्वत द्वारा सोखा गया। उस सोखे हुए विष के प्रभाव से मंदराचल पर्वत की मुक्ति करने के लिए शित के साथ पार्वती जी ने उस अवसर आने पर देवता एवं ब्रह्मांड का अनिष्ट शक्तियों से रक्षण करने वे लिए उग्र रूप धारण करने के अनेक उदाहरण पुराण में मिलते हैं। ब्रह्मदेव र अजेय होने के वरदान व साथ ही चारों वेद प्राप्त करने वाले दुर्गमासुर व कारण धर्म की दुर्देशा हरही थी एवं सर्वत्र अधग बढ़ रहा था। ऐसी स्थिति में देवताओं की शक्ति क्षीण हो गई थी। तब दुर्गमासुर को केवल स्त्री शक्ति ही नष्ट कर सकती थी। क्योंकि देवताओं द्वारा वध ना होने का वरदान दुर्गमासुर को प्राप्त हुआ था। तब पार्वती जी ने आदिशक्ति का स्वरूप प्रकट करके श्री दुर्गादेवी का रूप धारण किया। इसके दुर्गमासुर से युद्ध करने उसका वध किया। इसके तरह अपराजिता योद्धा एवं बलवान, अनिष्ट शक्तियों से युक्त महिषासुर का वध करने के लिए पार्वती, लक्ष्मी, एवं सरस्वती इन तीनों देवियों की शक्ति एकत्रित होकर उससे महिषासुर मर्दिन्मात्री की निर्मिति हुई।

पुराणों की कथाओं
माध्यम से लक्षित हुई दे-
की गुण विशेषताएं –

जिज्ञासु एवं मुमुक्षु इनका प्रतीक पार्वती देवी—पार्वती माता शिव की अर्धांगिनी थीं, तो भी शिव जी से गूढ़ ज्ञान प्राप्त करते समय पार्वती जी की भूमिका एक जिज्ञासु की रहती थी। तीव्र जिज्ञासा के कारण उन्हें भूख, प्यास, नींद, इनका भी ध्यान नहीं रहता था। ज्ञान प्राप्ति की लालसा से वे शिव को अनेक प्रश्न पूछती हैं। इससे ही प्रसिद्ध शिव पार्वती का वार्तालाप, अथवा संभाषण इनका उल्लेख पुराणों में मिलता है। पार्वती स्वयं आदि शक्ति थीं तो भी गुरु समान शिव से ज्ञानार्जन करने के लिए वे स्वयं जिज्ञासु एवं मुमुक्षु इनका मूर्तिमंत स्वरूप बन जाती हैं। इसलिए ही शिव जी ने पार्वती जी को तंत्र शास्त्र का गूढ़ ज्ञान प्रदान किया। षट्ठोर तपस्या करने वाली महान तपस्थिनी होने के कारण उन्हें अपर्णा एवं ब्रह्मचारिणी नाम से संबोधित किया जानाए — कठोर तपस्या करके जिस तरह ऋषि मुनि भगवान को प्रसन्न कर लेते हैं, वैसा ही कठोर तप पार्वती जी ने शिव शंकर को प्रसन्न करने के लिए किया था। केवल पेड़ों के पत्ते खाकर रहने के कारण पार्वती को अपर्णा नाम प्राप्त हुआ। पार्वती हिमालय राज की कन्या एवं राजकुमारी थीं। वह सुन्दर एवं सुकोमल थीं तो भी शिव को प्रसन्न करने का उनका दृढ़ निश्चय होने के कारण उन्होंने शरीर का ध्यान न रखते हुए बर्फ से ढके हुए प्रांत में विशिष्ट मुद्रा धारण करके दीर्घकाल तक तप किया। उनके तप की उग्रता इतनी थी कि उससे निर्मित ज्वालाएं संपूर्ण ब्रह्मांड में फैल रही थीं एवं स्वर्ग पर तब कुछ अंश का परिणाम पार्वती जी पर भी हुआ इस कारण वे काली हो गईं। उमा को उनका गौर वर्ण प्रिय होने के कारण पुनः गौर वर्ण प्राप्त करने के लिए उन्होंने ब्रह्म देव को प्रसन्न करने के लिए कठोर तप प्रारंभ किया। उनकी तपस्या से प्रसन्न ब्रह्मदेव ने उन्हें फिर से गौर वर्ण प्रदान किया एवं उस समय उनके श्याम वर्ण से कौशिकी नामक एक देवी का निर्माण किया। इस देवी ने आगे चलकर शुभ निशुभ इन दैत्यों का वध किया। इस प्रकार पार्वती जी ने संपूर्ण विश्व को त्रस्त करने वाले शुभ निशुभ इन दैत्यों का संहार करने वाली देवी की निर्मिति की। अति संवेदनशील एवं अति कठोर ये विपरीत गुण रखने वाली पार्वती — श्री गणेश जी के शिरच्छेद का समाचार मिलने पर पार्वती जी दुखी होकर रुदन करने लगती हैं एवं अगले ही क्षण नवदुर्गा का उग्र रूप धारण करके देवताओं को कठोर वचन सुनाती हैं। गणपति को हाथी का मस्तक लगाने के बाद पार्वती जी का उग्र रूप शांत होकर वे उमा का रूप धारण करती हैं। देवी कौशिकी पर प्रहार करने के लिए आए हुए असुरों को दंड देने के लिए पार्वती चंडी, चामुंडा ऐसे उग्र रूप धारण करके असुरों का संहार करती हैं एवं दूसरे ही क्षण पुत्री के समान प्रिय कौशिकी की चिंता से व्याकुल होती हैं। पार्वती में अति संवेदनशील एवं अति कठोर ये विपरीत गुण एक ही समय प्रबल दिखाई देते हैं। आदिशक्ति का स्वरूप प्रकट करके सब को त्रस्त करने वाले दुर्गमासुर एवं महिषासुर दैत्यों का संहार करना — हमेशा तपस्वी जीवन व्यतीत करने वाली, सौम्य स्वरूप धारण करने वाली पार्वती देवी ने

लेकर टिकट रेल !

शुरू हुई मारा मारो ।
लेकर टिकट रेल ॥
आ गए त्यौहार ।
होगा शुरू खेल ॥
जाना जिसको गांव शहर
है उसको तनाव ॥
टिकट नहीं कन्फर्म ।
है ऐसा पड़ाव ॥
करनी जिसको यात्रा है ।



नवरात्रि से सामाजिक प्रेरणा



बुराई पर विजय की प्रेरणा—नवरात्रि एक सामाजिक अनुष्ठान त्योहार है जो देवी को समर्पित है, जिसे अक्सर दुर्गा के रूप में देखा जाता है। वह परम दिव्य शक्ति के रूप में पूजनीय हैं जो बुराई और गलत को नष्ट करने, अच्छाई का पोषण करने और जीवन को चाहे किसी भी रूप में बनाए रखने में सक्षम हैं। विश्वास करने वाले मनों में दिव्य नारी का यह रूप यह नौ अभिव्यक्तियों में से कोई भी, जो नव-रात्रि तपस्या

की अध्यक्षता और प्रेरणा देती हैं। सामाजिक एकता की प्रेरणा—नव—रात्रि का मूल अध्यात्मवाद उत्सव अपौर समाजिकता है। प्रिकट शरीर में देवी की विविध अभिव्यक्तियाँ, दैवीय ऊर्जा के पहलू जो ये अभिव्यक्तियाँ दर्शाती हैं, देवी के कारनामे और बुराई के खिलाफ उनके आत्मविश्वास पैदा करने वाले कार्य, और इनकी मूल भावना, धर्मशास्त्र, सामाजिक और राष्ट्रीय चिंताओं और जश्न मनाने की इच्छा को जोड़ते हैं। कन्याओं की प्रतिष्ठा की प्रेरणा—नव—रात्रि का न केवल भारतीय समाज पर गहरा प्रभाव है, बल्कि ऐसा लगता है कि मध्ययुगीन मानस ने इसमें कई सामाजिक बुराइयों, विशेषकर लड़कियों के प्रति अपने दृष्टिकोण में सुधार की भी तलाश की है। नव—रात्रि ने देवी की दिव्यता में निहित देवी के विभिन्न रूपों का प्रतिनिधित्व करते हुए, सभी नौ दिनों में उनकी पूजा को अनिवार्य करके कन्याओं की पूर्व प्रतिष्ठा करने की मांग की है।

आटिकल— डॉ. मोनिका रघुवंशी

कलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान द्वारा सैकड़ों बच्चों के बीच आलसुख्ता हेतु सभी नियमों से अवगत कराये एवं नारी सुरक्षा सर्टिफर क्राइन के बारे में विस्तार से बताया



प्र खार वाराणसी। बाल विद्यालय माध्यमिक स्कूल प्रहलादघाट मेश्री आर.एस. गौतम जी (डी.सी.पी., वाराणसी काशी जोन) एवं श्री अमित कुमार पाण्डेय जी (ए.सी.पी., कोतवाली, वाराणसी) द्वारा साईबर क्राईम तथा शासन द्वारा बनाये गये महिलाओं के प्रति सुरक्षा के अन्तर्गत चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान द्वारा सैकड़ों बच्चों के बीच आत्मसुरक्षा हेतु सभी नियमों से अवगत कराये एवं नारी सुरक्षा साईबर क्राईम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने सम्बन्धित दूरभाष संख्या की सूची के अन्तर्गत किसी भी प्रकार का कोई असुरक्षा महिलाओं के प्रति अगर होती है, साईबर क्राईम क्यों होती है इसके विषय में विशेष जानकारी दिये, महिलाओं को विशेष रूप से सजग करते हुए उन्होंने बताया, कि यदि आपके साथ इस प्रकार की कोई भी घटना घटित होती है तुरन्त दिये गये टोल-फ्री नं० पर अवगत कराये। साथ ही छक्के के इन्सपेक्टर गौतम जी द्वारा भुकम्प, बाढ़ तथा आग लगने की स्थिति में बचाव के नये—नये तरीके एवं मुख्य रूप से बच्चे विधि का प्रयोग भी मंच पर उपकरणों द्वारा प्रयोगात्मक तरीके से बच्चों के बिच दर्शकर समझाया की कै से आप इन विकट परिस्थितियों में अपने आप एवं अन्य किसी को भी बचा सकते हैं? बच्चों ने मात्यार्पण कर सभी अतिथियों का भव्य स्वागत किया 'विद्यालय के निदेशक श्री मुकुल पाण्डेय जी एवं विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती स्नेहलता पाण्डेय एवं उपप्रबन्धक श्री मंजुल पाण्डेय जी द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया। विद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं बच्चों ने उक्त कार्यक्रम में बढ़—चढ़ कर भाग लिया जिसमें मुख्य रूप से श्री चन्दन चौधरी, दिपक मिश्रा, श्री जफीर, श्री सूरज सैनी, श्री अशोक उपाध्याय, श्री पवन केशरी आदि अध्यापकों ने अपना सहयोग दिया।

नवरात्रि के पवित्र अवसर
पर हुआ बालिका पूजन गोल्डन बेल्स एकेडमी में
मनाया गया नवरात्रि का उत्सव

प्रखर जागनुरा (पदपक) दात्र
के ठाकुर रामधानी

प्रखर चिरर्झगांव वाराणसी। स्थानीय विकास खंड के कंपोजिट विद्यालय सोनबरसा में अध्यापक अध्यापिकाओं द्वारा कन्या पूजन का कार्यक्रम किया गया, शक्ति स्वरूपा बालिकाओं के पूजन के क्रम में उन्हें भेट के रूप में पानी की थर्मस व गिलास प्रदान किया गया और हलुवा पूड़ी का भोग प्रसाद का वितरण भी हुआ। कार्यक्रम का आयोजन अवनीश पाठक ने किया, विद्यालय के प्रधानाध्यापिका सविता

सक्सना ने बालकाओं का पूजन किया । कार्यक्रम में मुख्य रूप से सविता सर्करेना, अवनीश पाठक, आरती गैतम, आशा, शाशा के वर्मा, राजेश पांडेय, हनुमान चौबे, लीलावती, ज्ञानेत्री, नीतू, नीलम, सविता शर्मा, प्रमिला समेत सभी कर्मचारी उपस्थित रहे । माँ कालरात्रि दर्शना सिंह माँ महागौरी साक्षी यादव माँ सिद्धिधात्री आंचल यादव बनी थी इस अवसर पर विद्यालय के प्रिंसिपल राणा प्रताप सिंह ने कहा कि नवरात्रि के अवसर पर विद्यालय के बच्चों द्वारा हर वर्ष इस प्रकार का कार्यक्रम किया जाता है ।

शारदीय नवरात्र आश्विनी शुक्ल पक्ष की पहली तीर्थे में प्रथम प्रस्तुति के अतंगत आशीर्वाद संगीतालय के कलाकारों ने देवी स्तुति, पारंपरिक कथ्यक, धनुची नृत्य प्रस्तुति की

A group of approximately 15 women are posing for a photograph in front of a stage. They are all dressed in vibrant, traditional Indian sarees and lehengas in various colors like red, yellow, green, and pink. Some are holding small decorative items or sticks. The background features a large banner with a portrait of Prime Minister Narendra Modi and text in Hindi. To the right, there's a stage area with a microphone stand and some equipment.

प्रखर वाराणसी। घाट संध्या के अंतर्गत नवरात्रि विशेष काशी सांसद महोत्सव के विशिष्ट चरण में अस्सी घाट पर सुबह ए बनारस के संयोजन में शारदीय नवरात्र अश्विनी शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि में प्रथम प्रस्तुति के अंतर्गत आशीर्वाद संगीतालय के कलाकारों ने देवी स्तुति, पारंपरिक कत्थक, धुनुची नृत्य प्रस्तुति की। कार्यक्रम में भाग लेने वाले कलाकार, गुरु डॉ जया राय सुश्री अन्नेशा दत्ता, मौली जायसवाल, मनस्वी रावत, तानशी कुशावाहा, कृति दास, सिद्धि कस्तरै उपस्थित रहे। गरबा सौभाग्य का प्रतीक माना गया है और अश्वनी मास की नवरात्रों को गरबा नृत्योत्सव के रूप में मनाया जाता है गुजरात का सबसे लोकप्रिय गरबा नृत्य केशरी परिवार की महिलाओं के द्वारा प्रस्तुत किया गया जिसमें भाग लेने वाले कलाकार श्रीमती रंजना केसरी, बॉबी केसरी, पल्लवी केसरी, निधि केसरी, सरिता केशरी, सुषमा केशरी ने मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति के माध्यम से मां गंगा की संस्थापक डॉ रत्नेश वर्मा ने किया। मुख्य अतिथि श्रीमती इंद्र कला केशरी ने समस्त कलाकारों को अंग वस्त्रम प्रदान कर उनका सम्मान किया। सीमा केसरी ने सफल संचालन कर महोत्सव की महत्ता से अवगत कराया। समस्त कलाकारों को आशीर्वचन डॉ अरविन्द के शरी ने किया। इस अवसर पर डॉ उत्कर्ष केसरी, श्री श्याम कुमार केसरी, श्री उद्भव केसरी एवं भारी संख्या में दर्शक गण उपस्थित रहे।

दानगंज पंडाल का उद्घाटन विधायक त्रिभुवन राम ने किया



उदधाटन कर हिंदु स्थापित हुए और भक्त
रीति रिवाज के साथ पूजा पाठ कर मूर्ति दर्शन पूजन । मौके पर
पूजा पाठ कर मूर्ति उपस्थित जनों में पूर्व प्रमुख
स्थापित किया । योलापुर लाल बहादुर सिंह,
द्यदानगंज स्थित गोविंद बरनवाल सुरेंद्र सिंह,
राधा कृष्ण दुर्गा पूजा राम नगीना सेठ, अरविद सेठ,
ममिति, शिव शक्ति पूजा सुजीत सिंह, चंद्र प्रकाश सिंह,
ममिति, जय बजरंग दुर्गा संपूर्णानंद त्रिपाठी, प्रमोद
ज्ञा समिति, मित्र मडल पाठक, गोविंद बरनवाल,
दुर्गा पूजा समिति सहित पंकज चौबे आदिल उपस्थित
लिरामगंज, नियार रहे ।

सुरक्षा सैनिक व सुपरवाइजर की भर्तीयां ब्लाक स्टर पर, तिथिवार हुई निर्धारित

प्रेष्ठर मऊ। कंपनी के डिप्टी कमांडेंट बताया कि जनपद के सभी विकास खण्ड मुख्यालयों में एसआईएस इंडिया लिंग० जौनपुर के तत्वाधान में बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु शिविर का आयोजन किया जायेगा। एसआईएस इंडिया लिंग० भारत की बहुराष्ट्रीय कम्पनी है। जो सुरक्षा प्रदान करने का कार्य पूरे भारत व विदेशों में कर रही है। इस शिविर में सुरक्षा सैनिक व सुपरवाइजर की नियुक्ति की जायेगी। विकास खण्ड मुख्यालयों पर तिथिवार आयोजित शिविर के पूर्ण विवरण अनुसार तिथियां ब्लॉक स्तर पर निर्धारित की गई हैं। 26 व 27 अक्टूबर को परदहा ब्लॉक में, 28 व 29 अक्टूबर को बड़राव ब्लॉक, 30 अक्टूबर व 1 नवंबर को घोसी ब्लॉक, 2 व 3 नवंबर को कोपांगंज ब्लॉक, 4 और 5 नवंबर को रतनपुरा ब्लॉक, 6 व 7 नवंबर को रानीपुर ब्लॉक, 8 व 9 नवंबर को मोहम्मदाबाद गोहना ब्लॉक में निर्धारित किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि किसी ब्लॉक के अभ्यर्थी किसी भी ब्लॉक में भर्ती देख सकते हैं। जिला विकास अधिकारी द्वारा इन शिविरों के सफल आयोजन के लिए सभी खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे आपेक्षित सहयोग प्रदान करेंगे तथा डिप्टी कमांडेंट रजनीश राय द्वारा आयोजन को लेकर अपेक्षाओं के अनुरूप अपना सहयोगात्मक योगदान देंगे। डिप्टी कमांडेंट श्री राय ने बताया कि सुरक्षा जवान एवं सुपरवाइजर पद के लिए शारीरिक माप दण्ड जिसमें लम्बाई 168 सेमी, सीना 80-85 सेमी तथा उम्र 21 से 37 के बीच, वजन 56 से ज्यादा 90 से कम, योग्यता हाई स्कूल पास होना चाहिए। उन्होंने इच्छुक बेरोजगार युवकों को उक्त निर्धारित तिथिया अपनी सुविधानुसार संबंधित ब्लाकों में निर्धारित शिविर में भर्ती हेतु प्रतिभाग कर सकते हैं जिसमें चयनित अभ्यर्थीयों का पंजीकरण करने के लिए 500 रु० ०५ ऑनलाइन जमा करना होगा। पंजीकृत चयनित अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण अथवा ट्रेनिंग के लिए जौनपुर भेजा जायेगा, जहाँ प्रत्येक चयनित एवं इच्छुक उमीदवारों को प्रशिक्षण के दौरान एक माह प्रशिक्षण के उपरान्त उन्हें तैनाती स्थलों पर सुरक्षा के कार्य में स्थाई तैनाती दिया जायेगा। जहाँ नौकरी के दौरान पीएफ ईसआई, ग्रेचुरी, इन्स्युरेन्स, वैंसन एवं अन्य सुविधाएं प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा 65 वर्ष तक स्थाई नौकरी, सलाना वे तनवृ द्वितीय समय समय पदोन्नति एवं राज्य सरकार के न्यूनतम वेतन अधिनियम के तहत वेतन का भुगतान किया जाता है। विशेष जानकारी के लिए संस्था के अधिकृत वेबसाइट [बैपपदकं.बवउ](#) को देखा जा सकता है।

नवंबर को मोहम्मदाबाद
गया था ब्लॉक में निर्धारित
गया है। उन्होंने आगे
कहा कि किसी ब्लॉक के
पर्याप्त किसी भी ब्लॉक में
देख सकते हैं। जिला
सा अधिकारी द्वारा इन
रो के सफल आयोजन
उनए सभी खण्ड विकास
कारियो को निर्देशित
गया है कि वे आपेक्षित
प्रोग्राम प्रदान करेंगे तथा
कमांडेंट रजनीश
द्वारा आयोजन को
अपेक्षाओं के अनुरूप
सहयोगात्मक
देंगे। डिप्टी
डिप्टी श्री राय ने बताया
सुरक्षा जवान एवं
वाइजर पद के लिए
एक माप दण्ड जिसमें
ई 168 सेमी, सीना
35 सेमी तथा उम्र 21 से
के बीच, वजन 56 से
90 से कम, योग्यता
स्कूल पास होना
ए। उन्होंने इच्छुक
गार युवकों को उक्त
रित तिथिया अपनी
नासार संबंधित ब्लाकों

में निर्धारित शिविर में भर्ती हेतु
प्रतिभाग कर सकते हैं जिसमें
चयनित अभ्यर्थियों का
पंजीकरण करने के लिए 500
रु0 ऑनलाइन जमा करना
होगा। पंजीकृत चयनियत
अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण अथवा
ट्रेनिंग के लिए जौनपुर भेजा
जायेगा, जहाँ प्रत्येक चयनित
एवं इच्छुक उमीदवारों को
प्रशिक्षण के दौरान एक माह
प्रशिक्षण के उपरान्त उन्हें
तैनाती स्थलों पर सुरक्षा के
कार्य में स्थाई तैनाती दिया
जायेगा। जहाँ नौकरी के
दौरान पीएफ ईएसआई,
ग्रेव्युटी, इन्स्युरेन्स, पेंसन एवं
अन्य सुविधाएं प्रदान किया
जाएगा। इसके अलावा 65 वर्ष
तक स्थाई नौकरी, सलाना
वेतनवृद्धि, समय समय
पदोन्नति एवं राज्य सरकार के
न्यूनतम वेतन अधिनियम के
तहत वेतन का भुगतान किया
जाता है। विशेष जानकारी के
लिए संस्था के अधिकृत
वेबसाइट [www.bvpapdakpanchayat.org](#) को
देखा जा सकता है।

